नईदुनिया

आईटीसी ने भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए डीपीआईआईटी के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने भारत के अग्रणी व्यापार समूहों में से एक आईटीसी लिमिटेड के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी की है। डीपीआईआईटी ने उद्यमिता और नवाचार को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने के लिए यह अहम कदम उठाया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि यह समझौता ज्ञापन (एमओयू) विशेष रूप से गतिशील साझेदारी का माहौल तैयार करेगा, जिसमें आईटीसी के व्यापक बाजार नेटवर्क के विशाल अनुभव और विशेषज्ञता देशभर में स्टार्टअप्स को सहयोग देने में डीपीआईआईटी की पहल का पूरक बनेगी। यह सहयोग देशभर में स्टार्टअप्स के लिए सुगठित बाजार सृजित करने और स्टार्टअप विकास तथा तकनीकी प्रगति में तेजी लाने के साझा दृष्टिकोण के अनुरूप है।

मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि इस साझेदारी के तहत आईटीसी, विनिर्माण निष्पादन प्रणालियों (एमईएस) के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म, विनिर्माण स्थलों के लिए नवीकरणीय ऊर्जा अवसरों का संयोजन, ऊर्जा भंडारण प्रणालियों आदि जैसे प्रमुख क्षेत्रों में स्टार्टअप समाधान उपलब्ध कराएगा। इस सहयोग का उद्देश्य देशभर में स्टार्टअप के लिए उद्यमिता, तकनीकी उन्नति और बाजार के अवसरों को बढ़ावा देना है। इस प्रो-स्टार्टअप पहल के बारे में डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा कि यह भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों जैसे स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के साथ सरेखित है। इसके अलावा यह नवाचार-आधारित उद्यमिता द्वारा समावेशी और सतत विकास को बढ़ावा देकर विजन 2047 की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

न्यूज ब्रीफ

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिका में खुदरा महंगाई के आंकड़े आने वाले हैं। इसके पहले अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान निवेशक सतर्क होकर कारोबार करते नजर आए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,842.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत नैस्डेक ने 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,578.23 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के कारोबार के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,201.54 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,423.67 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 138.48 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ 20,271.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

अब पीएफ कर्मचारी खुद सेल्फ-अटेस्टेशन के जरिए कर सकेंगे केवाईसी

नई दिल्ली। एंप्लॉयी प्रॉविडेंट फंड (ईपीएफ) के सब्सक्राइबर्स के लिए अहम बदलाव होने वाले हैं। अब

कर्मचारियों को पीएफ केवाईसी कराने के लिए एचआर डिपार्टमेंट से अप्रूवल की जरूरत नहीं होगी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने घोषणा की है कि जून 2025 से वह कर्मचारी खुद से सेल्फ-अटेस्टेशन के जरिए केवाईसी कर सकेंगे, जिससे कंपनी के चक्कर काटने नहीं पड़ेंगे। इस बदलाव से पीएफ से जुड़ी प्रक्रियाओं को आसान बनाया जाएगा, खासकर तब जब कंपनियां बंद हो जाती हैं और केवाईसी की वजह से पीएफ क्लेम अटक जाते हैं। यह कदम ईपीएफओ 3.0 का हिस्सा होगा, जो इस साल लॉन्च किया जाएगा। इस नई योजना में आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाएगा और रोजगार आधारित योजनाओं को भी शामिल किया जाएगा, जिससे ईपीएफओ का कामकाज और भी आसान होगा। ईपीएफओ 3.0 के लॉन्च से अनुमान लगाया है कि पीएफ सब्सक्राइबर्स की संख्या में बढ़ोतरी होगी, जो वर्तमान में करीब आठ करोड़ है और यह 10 करोड़ तक पहुंच सकती है। इसके अलावा फंड निकालने की प्रक्रिया भी सरल हो जाएगी। ईपीएफओ के नए नियमों के तहत बैंकों के साथ मिलकर सब्सक्राइबर्स को एक तय सीमा तक बिना किसी आवेदन के सीधे अपने खाते से फंड निकालने की सुविधा दी जा सकती है, जिससे पीएफ के सब्सक्राइबर्स को अपनी मेहनत की कमाई निकालने में आसानी होगी।

अमेरिकी एसईसी ने ट्विटर के स्वामित्व हिस्सेदारी के विलंबित प्रकटीकरण को लेकर एलन मस्क पर केस दर्ज किया

नई दिल्ली। दुनिया के दिग्गज अरबपति एलन मस्क डोनाल्ड ट्रम्प के अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ

ग्रहण से कुछ ही दिन पहले अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) द्वारा कानूनी जांच के घेरे में आ गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एलन मस्क ने साल 2022 में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) का अधिग्रहण किया था। हालांकि, अब उस डील को लेकर एलन मस्क मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं। अमेरिका के बाजार के नियामक आयोग सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) ने एलन मस्क के खिलाफ मुकदमा दायर कराया है। एसईसी का आरोप है कि एलन मस्क ने एक्स खरीदने से पहले ही उसके शेयर खरीद लिये थे, लेकिन मस्क ने एसईसी को इस बात की जानकारी नहीं दी थी। नियमों के उल्लंघन के चलते एसईसी ने एलन मस्क के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। एलन मस्क ने साल 2022 की शुरुआत से ही ट्विटर के शेयर खरीदने शुरू कर दिए थे। रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2022 तक एलन मस्क के पास ट्विटर के 5 फीसदी से ज्यादा शेयर थे। शिकायत में कहा गया है कि एलन मस्क ने 4 अप्रैल तक इसका खुलासा नहीं किया था, जो नियमों का उल्लंघन है। मस्क ने अक्टूबर 2022 में ट्विटर का अधिग्रहण किया और बाद में उसका नाम बदलकर 'एक्स' कर दिया था।

लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

निवेशकों को 1 दिन के कारोबार से 1.18 लाख करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच लगातार खींचतान चलती रही। इस खींचतान की वजह से शेयर बाजार कुछ देर के लिए लाल निशान में भी पहुंचा, लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने लिवाली करके उसे दोबारा हरे निशान में पहुंचा दिया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.29 प्रतिशत और निफ्टी 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

दिनभर के कारोबार के दौरान इंफ्रास्ट्रक्चर, पीएसई और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह आईटी, मेटल, एनर्जी, बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर ऑटोमोबाइल फार्मास्यूटिकल, ऑयल एंड गैस और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आमतौर पर लिवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.34 प्रतिशत की तेजी के साथ के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 424.41 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 423.23 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 1.18 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,064 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,150 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,806

शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 108 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,515 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,371 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,144 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 26 शेयर हरे निशान में और 24 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 400.51 अंक उछल कर 76,900.14 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 491.42 अंक की तेजी के साथ 76,991.05 अंक तक पहुंचा। वहीं, बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक 19.93 अंक की कमजोरी के साथ 76,479.70 अंक तक गिर भी गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 224.45 अंक की मजबूती के साथ 76,724.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने 74.40 अंक की बढ़त के साथ 23,250.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल ऊपर-नीचे होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 117.60 अंक की तेजी के साथ 23,293.65 अंक तक पहुंचा। दूसरी ओर, बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक 29.60 अंक की गिरावट के साथ 23,146.45 अंक तक लुढ़क भी गया। दिनभर की खरीद के बाद निफ्टी 37.15 अंक की मजबूती के साथ 23,213.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पूरे दिन के कारोबार में हुई खरीद-बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ट्रेंट लिमिटेड 3.72 प्रतिशत, एनटीपीसी 3.53 प्रतिशत, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 2.89 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा 2.23 प्रतिशत और मारुति सुजुकी 1.76 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.93 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 2.44 प्रतिशत, एक्सिस बैंक 2.36 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 2.15 प्रतिशत और श्रीराम फाइनेंस 2 प्रतिशत की गिरावट के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

एचडीएफसी एएमसी के शेयरों में आया उछाल, ब्रोकरेज ने कहा जमकर करें खरीदारी

नई दिल्ली

एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी के शेयरों में बुधवार को उछाल आया। कंपनी ने शेयर शुरुआती कारोबार में 5 फीसदी से ज्यादा चढ़े। इसकी तुलना में बीएसई सेंसेक्स 0.59 फीसदी चढ़कर 76,947 पर कारोबार किया। तीसरी तिमाही में अच्छे नतीजों के दम पर कंपनी के शेयरों में यह उछाल देखने को मिला है।

कंपनी का मुनाफा 31 फीसदी से बढ़कर 641 करोड़ रुपए पर पहुंच गया

एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार बंद होने के बाद तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। कंपनी ने बताया कि दिसंबर तिमाही में उसका मुनाफा सालाना आधार पर 31 फीसदी से बढ़कर 641 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

ऑपरेशन से होने वाली कमाई भी सालाना आधार पर 39 फीसदी बढ़कर 671.32 करोड़ रुपए हो गई है। मजबूत तिमाही नतीजों को देखते हुए ज्यादातर ब्रोकरेज कंपनियों ने इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजी अपडेट करते हुए एचडीएफसी एएमसी का टारगेट प्राइस बढ़ा दिया है। साथ ही स्टॉक में खरीदारी करने की सलाह देते हुए 35 फीसदी तक के अपसाइड रिटर्न का अनुमान जताया है।

ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने एचडीएफसी असेट मैनेजमेंट कंपनी पर अपनी रेटिंग को बरकरार रखते हुए खरीदने की सलाह दी है।

ब्रोकरेज ने इसके लिए 5200 रुपए का टारगेट प्राइस दिया है। कंपनी के शेयर मंगलवार को 2 फीसदी चढ़कर 3863 रुपए पर बंद हुए। इस तरह शेयर लॉन्ग टर्म में 35 फीसदी का अपसाइड रिटर्न दे सकते हैं। ब्रोकरेज के मुताबिक ओवरऑल एयूएम में इक्विटी की बढ़ती हिस्सेदारी यील्ड्स में संभावित गिरावट को कम करने में मदद करेगी।

नए बिजनेस से बड़े पैमाने पर बेनिफिट्सज्हाई प्रोफिटेबिल्टी में बदल सकता है। ब्रोकरेज ने अपने अनुमानों को कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है और 5200 रुपए के टारगेट प्राइस के साथ स्टॉक पर बाय रेटिंग को बरकरार रखा है।

होरिका कुवैत सम्मेलन

कुवैत में होरिका कुवैत 2025 सम्मेलन में एक कुक स्वादिष्ट मिठाइयां और पकवान तैयार करते हुए। ये प्रदर्शनी खानपान सेवाओं और पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने लगायी गयी है।

हल्दीराम को खरीदने की दौड़ में शामिल हुई अमेरिकी कंपनी पेप्सिको

सीधे प्रमोटर अग्रवाल फैमिली से चर्चा कर रहे

मुंबई

स्नैक्स और मिठाइयां बनाने वाली दिग्गज कंपनी हल्दीराम में हिस्सेदारी खरीदने को होड़ दिलचस्प होती जा रही है। अमेरिकी दिग्गज कंपनी पेप्सिको भी हल्दीराम को खरीदने की दौड़ में शामिल हो गई है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी के अधिकारी हल्दीराम स्नैक्स फूड में हिस्सेदारी खरीदने के लिए सीधे प्रमोटर अग्रवाल फैमिली से चर्चा कर रहे हैं। पेप्सिको के अलावा सिंगापुर की कंपनी टेमासेक और अल्फा वेव ग्लोबल भी हल्दीराम में हिस्सेदारी खरीदने की होड़ में शामिल हैं। इन दोनों कंपनियों ने हल्दीराम में 10-15 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए ऑफर दिया है। सूत्रों के मुताबिक न्यूयॉर्क में पेप्सिको हेडक्वार्टर के अधिकारियों ने हाल के दिनों हल्दीराम में माइनोरिटी स्टेक खरीदने के लिए अग्रवाल परिवार के सदस्यों के साथ सीधे बात की

है। हालांकि बातचीत अभी शुरुआती स्तर पर है और संभव है कि यह अंजाम तक न पहुंचे। माना जा रहा है कि अगर यह डील आगे बढ़ती है, तब इसमें फंडिंग भी अमेरिका की मूल कंपनी करेगी। पेप्सिको की भारतीय यूनिट की इसमें ज्यादा भूमिका नहीं है। अग्रवाल फैमिली 85,000-90,000 करोड़ रुपये की वैल्यूएशन की उम्मीद कर रही है।

लेज चिप्स, कुरकुरे नमकीन स्नैक्स और डोरिटोस नाचो चिप्स बनाने वाली कंपनी पेप्सिको को भारतीय स्नैक्स बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय कंपनियों और डायरेक्ट टू कंज्यूमर कंपनियों की संख्या में काफी तेजी आई है। इसमें हल्दीराम, बीकानेरवाला, बालाजी और लिस्टेड कंपनियों बीकाजी फूड्स, गोपाल स्नैक्स और प्रताप स्नैक्स शामिल हैं। साथ ही एथनिक स्नैक्स कंपनियों की भी बाजार में भरमार है। इनमें से ज्यादातर की कीमत जाने-माने ब्रांड्स के कम है। वे डायरेक्ट डिस्ट्रीब्यूशन करते हैं और रिटेलर्स को ज्यादा लाभ देते हैं। पेप्सिको की वेस्टर्न स्नैक्स मार्केट चिप्स और नाचोस में लगभग 24 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। लेकिन नमकीन, भुजिया और चना चूर जैसे लोकल स्नैक्स में कंपनी अभी भी बहुत पीछे है। यह वजह है कि कंपनी हल्दीराम को अपने साथ लाना चाहती है। रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के आंकड़ों के अनुसार, पेप्सिको इंडिया होल्डिंग्स ने अप्रैल से दिसंबर 2023 की नौ महीने की अवधि के लिए 5,954.16 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू हासिल किया। इसी अवधि में पेप्सिको के स्नैक्स बिजनस का रेवेन्यू 4,763.29 करोड़ रुपये रहा। हल्दीराम स्नैक फूड्स ने वित्त वर्ष 2024 में 12,800 करोड़ रुपये का रेवेन्यू दर्ज किया, जो पेप्सिको से करीब दोगुना है।

जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में होम टेक्सटाइल मेले में गिरिराज सिंह ने भारतीय मंडप का किया उद्घाटन

नई दिल्ली

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने जर्मनी के मैसे फ्रैंकफर्ट में आयोजित हेमटेक्सटाइल 2025 (होम टेक्सटाइल मेला) में भारत मंडप का उद्घाटन किया। इस अवसर पर वैश्विक घरेलू वस्त्र निर्यातकों, आयातकों और निर्माताओं को संबोधित करते हुए गिरिराज सिंह ने भारत की बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मकता और सतत विकास हासिल करने के लिए सहयोग की आवश्यकता का उल्लेख किया। सिंह ने सभी भागीदार देशों को भारत टेक्स 2025 में भाग लेने और भारत के संपन्न कपड़ा इकोसिस्टम में निवेश के अवसरों की जानकारी लेने के लिए आमंत्रित किया।

कपड़ा मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में बताया कि इस आयोजन में भारत की उपस्थिति कपड़ा उद्योग जगत में देश की निरंतर बढ़ती शक्ति का प्रदर्शन कर रही है।

इस प्रतिष्ठित वैश्विक होम टेक्सटाइल मेले में सबसे बड़े भागीदार देश के साथ भारत ने नवाचार, स्थिरता और वैश्विक साझेदारी के लिए अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। कपड़ा और मशीनरी निर्माताओं के साथ निवेशकों की बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री ने पिछले 10 वर्षों में भारत की विकास गाथा और बढ़ते एफडीआई की जानकारी देते हुए इस बात पर जोर दिया कि मेक इन इंडिया पहल एक सिद्ध रणनीति है जो भारत को एक प्रतिस्पर्धी विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरने में सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने निवेशकों को बढ़ते अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करने के साथ-साथ यह सलाह भी दी कि भारत के बाजार से बाहर रहने से उनसे कुछ छूट जाने का डर हो सकता है। वैश्विक निवेशकों को आमंत्रित करते हुए उन्होंने कहा, आओ और भारत में निवेश करो- मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड। हेमटेक्सटाइल के दौरान मंत्री ने जर्मनी के मशीनरी और उपकरण निर्माता संघ और आईवीजीटी प्रमुखों से भी भेंट की। गिरिराज सिंह ने भारत के कपड़ा क्षेत्र के साथ अपने जुड़ाव को मजबूत करने का आग्रह करते हुए कहा कि भारत सबसे बड़े कपड़ा मशीनरी खरीदारों में से एक है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगर जर्मन निर्माता भारत में निवेश करते हैं और मशीनरी का उत्पादन करते हैं तो यह दोनों पक्षों के लिए लाभ की स्थिति होगी। भारत में पहले से ही जर्मन के कई उद्यमियों के लाभ हासिल करने के मामले में जर्मन के एक सिलाई धागा निर्माता की सफलता का उदाहरण देते हुए

उन्होंने अन्य मशीनरी निर्माताओं को भारतीय बाजार में अपने निवेश की तलाश करने और उसका विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित किया।

अपने दौरे में मंत्री ने प्रदर्शनी में विभिन्न स्टॉलों का दौरा किया तथा प्रदर्शकों से वार्तालाप करते हुए होम टेक्सटाइल में उनकी नवीनतम पेशकशों और नवाचारों के बारे में जानकारी ली। भारतीय निर्यातकों के शिल्प कौशल ने इस क्षेत्र की वैश्विक आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

मंत्रालय ने कहा कि यह कार्यक्रम उद्योग जगत प्रमुखों और निर्यातकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी का साक्षी बना और यह कपड़ा उद्योग में वैश्विक अग्रणी के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने के भारत के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

केंदीय मंत्री गिरिराज सिंह के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ वस्त्र मंत्रालय के अपर सचिव रोहित कंसल, जर्मनी में भारत के महावाणिज्यदूत और मंत्रालय के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। उद्घाटन के दौरान पांच निर्यात संवर्धन परिषदों और जूट बोर्ड के प्रतिनिधि भी उपस्थि रहे जिन्होंने विविध प्रकार के उत्पादों का प्रदर्शन किया।